

भूमि भेद अनुसार चित्त

काम भूमि - ११

- अपाय भुवन - ४ वटा
- (नर्क, प्रेत, तिर्यक, असुर)
- मनुष्य
- देवलोक - ६ वटा
- १. चतुर्महाराज
- २. त्रयतिंस
- ३. यामा
- ४. तुसित
- ५. निर्मानरति
- ६. परनिर्मित वसवर्ति

कामावचर चित्त
५४ वटा

रूपलोक वा रूपभूमि - १६ वटा

- १) ब्रम्हपारिसज्जा
- ४)परिताभा
- ७)परितासुभा
- १०)वेहप्फल
- १२)अविहा
- १५)सुदस्सो

- २)ब्रम्ह पुरोहित
- ५)अप्पमाणाभा
- ८)अप्पमाणसुभा
- ११)असञ्जात ❄
- १३)अतप्पा
- १६)अकनिट्ठा

- ३)महाब्रम्हा
- ६)आभस्सरा
- ९)सुभकिण्हा
- १४)सुदस्सा

रूपावचर चित्त
१५ वटा

अरूप भूमि वा अरूपलोक - ४ वटा

- १)आकासानञ्चायतन
- २)आकिञ्चाञ्चायतन
- ३)विञ्जाणञ्चायतन
- ४)नेवरञ्जानासञ्चायतन

अरूपावचर चित्त
४ वटा

लोकुत्तर चित्त - ८ वटा

कामावचर चित्त - ५४ वटा -
११ वटा कामलोकमा अवचरण
वा घुम्ने (उत्पन्न हुने) चित्त

- १)अकुशल चित्त १२ वटा -
- २)अहेतुक चित्त १८ वटा
- ३)काम शोभन चित्त २४ वटा

अकुशल चित्त - १२ वटा मध्ये

लोभमूल चित्त - ८ वटा मध्ये

- १) सोमनस्ससहगत दिट्ठिगतसम्पयुत्त असङ्खारिक चित्त
- २) सोमनस्स सहगत दिट्ठिगतसम्पयुत्त ससङ्खारिक चित्त
- ३) सोमनस्ससहगत दिट्ठिगतविप्पयुत्त असङ्खारिक चित्त
- ४) सोमनस्ससहगत दिट्ठिगतविप्पयुत्त ससङ्खारिक चित्त
- ५) उपेक्खासहगत दिट्ठिगतसम्पयुत्त असङ्खारिक चित्त
- ६) उपेक्खासहगत दिट्ठिगतसम्पयुत्त ससङ्खारिक चित्त
- ७) उपेक्खासहगत दिट्ठिगतविप्पयुत्त असङ्खारिक चित्त
- ८) उपेक्खासहगत दिट्ठिगतविप्पयुत्तससङ्खारिक चित्त

द्वेषमूल चित्त - २ वटा

- १) दोमनस्ससहगत पटिघसम्पयुत्त असङ्खारिक चित्त
- २) दोमनस्ससहगत पटिघसम्पयुत्त ससङ्खारिक चित्त

मोहमूल चित्त

- १) उपेक्खासहगत विचिकिच्छासम्पयुत्त चित्त
- २) उपेक्खासहगत उद्वच्चसम्पयुत्त चित्त

अहेतुक चित्त १८ वटा

अहेतुक अकुशल विपाक चित्त - ७ वटा

१. उपेक्खासहगत अकुसलविपाक चक्खुविञ्जाण चित्त
२. उपेक्खासहगत अकुसलविपाक सोतविञ्जाण चित्त
३. उपेक्खासहगत अकुसलविपाक घानविञ्जाण चित्त
४. उपेक्खासहगत अकुसलविपाक जिह्वाविञ्जाण चित्त
५. उपेक्खासहगत अकुसलविपाक कायविञ्जाण चित्त
६. उपेक्खासहगत अकुसलविपाक सम्पटिच्छन्न चित्त
७. उपेक्खासहगत अकुसलविपाक सन्तीरण चित्त

अहेतुक कुसलविपाक चित्त - ८ वटा

१. उपेक्खासहगत कुसलविपाक चक्खुविञ्जाण चित्त
२. उपेक्खासहगत कुसलविपाक सोतविञ्जाण चित्त
३. उपेक्खासहगत कुसलविपाक घानविञ्जाण चित्त
४. उपेक्खासहगत कुसलविपाक जिह्वाविञ्जाण चित्त
५. सुखसहगत कुसलविपाक कायविञ्जाण चित्त
६. उपेक्खासहगत कुसलविपाक सम्पटिच्छन्न चित्त
७. सोमनस्ससहगत कुसलविपाक सन्तीरण चित्त

रूपावचर चित्त - १५ वटा

रूपावचर कुशल चित्त - ५ वटा

- १) वितर्क, विचार, प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको प्रथम ध्यान कुशल चित्त
- २) विचार, प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको द्वितीय ध्यान कुशल चित्त
- ३) प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको तृतीय ध्यान कुशल चित्त
- ४) सुख र एकाग्रता सहितको चतुर्थ ध्यान कुशल चित्त
- ५) उपेक्षा र एकाग्रता सहितको पञ्चम ध्यान कुशल चित्त

रूपावचर विपाक चित्त - ५ वटा

- १) वितर्क, विचार, प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको प्रथम ध्यान विपाक चित्त
- २) विचार, प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको द्वितीय ध्यान विपाक चित्त
- ३) प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको तृतीय ध्यान विपाक चित्त
- ४) सुख र एकाग्रता सहितको चतुर्थ ध्यान विपाक चित्त
- ५) उपेक्षा र एकाग्रता सहितको पञ्चम ध्यान विपाक चित्त

रूपावचर क्रिया चित्त - ५ वटा

- १) वितर्क, विचार, प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको प्रथम ध्यान क्रिया चित्त
- २) विचार, प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको द्वितीय ध्यान क्रिया चित्त
- ३) प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको तृतीय ध्यान क्रिया चित्त
- ४) सुख र एकाग्रता सहितको चतुर्थ ध्यान क्रिया चित्त
- ५) उपेक्षा र एकाग्रता सहितको पञ्चम ध्यान क्रिया चित्त

अरूपावचर चित्त - १२ वटा

अरूपावचर कुशल चित्त

- १) आकासानञ्चयतन कुशल चित्त
- २) विञ्जाणञ्चायतन कुशल चित्त
- ३) आकिञ्चञ्जायतन कुशल चित्त
- ४) नेवसञ्जानासञ्जायतन कुशल चित्त

अरूपावचर विपाक चित्त

- १) आकासानञ्चयतन विपाक चित्त
- २) विञ्जाणञ्चायतन विपाक चित्त
- ३) आकिञ्चञ्जायतन विपाक चित्त
- ४) नेवसञ्जानासञ्जायतन विपाक चित्त

अरूपावचर क्रिया चित्त

- १) आकासानञ्चयतन क्रिया चित्त
- २) विञ्जाणञ्चायतन क्रिया चित्त
- ३) आकिञ्चञ्चायतन क्रिया चित्त
- ४) नेवसञ्जानासञ्चायतन क्रिया चित्त

लोकुत्तर चित्त संक्षिप्त - ८ वटा

मार्ग चित्त - ४ वटा

- १) सोतापत्ति मग्ग चित्त
- २) सकदागामि मग्ग चित्त
- ३) अनागामि मग्ग चित्त
- ४) अरहत्त मग्ग चित्त

फल चित्त - ४ वटा

- १) सोतापत्ति फल चित्त
- २) सकदागामि फल चित्त
- ३) अनागामि फल चित्त
- ४) अरहत्त फल चित्त

लोकुत्तर चित्त विस्तृत - ४० वटा

सोतापत्ति मग्ग चित्तयागु विस्तृत रूप

- १) विर्तक, विचार, प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको प्रथम ध्यान श्रोतापत्ति मार्ग चित्त
- २) विचार, प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको द्वितीय ध्यान श्रोतापत्ति मार्ग चित्त
- ३) प्रीति, सुख र एकाग्रता सहितको तृतीय ध्यान श्रोतापत्ति मार्ग चित्त
- ४) सुख र एकाग्रता सहितको चतुर्थ ध्यान श्रोतापत्ति मार्ग चित्त
- ५) उपेक्षा र एकाग्रता सहितको पञ्चम ध्यान श्रोतापत्ति मार्ग चित्त

नोटः

यसरि नै क्रमशः सकृदागामि, अनागामि र अर्हत् मार्ग चित्तहरूको पनि पाँच पाँच वटा गरि मार्ग चित्त २० वटा र त्यस्तै फल चित्तकोहरूको पनि श्रोतापत्ति, सकृदागामि, अनागामि र अर्हत् चित्तहरूको पनि प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ र पञ्चम ध्यानहरू गरि फल चित्तहरू २० वटा गरि लोकुत्तर चित्त विस्तृतले ४० वटा छन् ।